M0OZX4N

संकलित परीक्षा - I (2013)
हिन्दी 'ब'
कक्षा - X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड: क (अपठित बोध)

1 ईश्वर है या नहीं , यह प्रश्न उठाना उतना ही पुराना है , जितनी हमारी संस्कृति है । इसी कारण कुछ लोग 5
वेदों को अपौरूषेय मानते हैं और उसे ईश्वर की वाणी के रूप में स्वीकार करते हैं तो कुछ विद्वान उन्हें पौरूषेय ही मानते हैं । भारतीय दर्शन भी दो भागों में बँटा है - वैशेषिक न्याय , मीमांसा , योग सांख्य और वेदांत ईश्वरवादी या आस्तिक दर्शन कहे जाते हैं तथा चार्वाक , बौद्ध और जैन दर्शन निरीश्वरवादी । यह मतभेद पूरे भारत में नहीं , पूरी दुनिया में है । पूँजवादी व्यवस्था में विश्वास रखने वाले देश ईश्वर का अस्तित्व मानते हैं और वामपंथी व्यवस्था में ईश्वर का कोई स्थान नहीं है । इस संबंध में अंतिम सत्य का पता लगाना कठिन है । जो लोग प्रमाणों , तर्कों और तथ्यों के आधार पर ईश्वर की खोज करना चाहते हैं, उन्हें इसमें असफलता ही हाथ लगती है , जो विश्वास के आधार पर इसकी खोज में लगते हैं, उन्हें कण-कण में ईश्वर ही नज़र आता ह । भारतीय चिंतन कहता है कि कोई भी मनुष्य अपने मन को शांत करके बुद्धि के स्तर पर पहुँचकर ईश्वर को देख सकता है। सृष्टि के कण-कण में ईश्वर ही स्वयं को अभिव्यक्त कर रहा है ।

(1) वेदों को लोग क्या मानते हैं ?

(क) धर्म - ग्रंथ (ख) अपौरूषेय

(ग) पौरूषेय (घ) अपौरूषेय और कछ पौरूषेय

(2) ' अपौरूषेय ' का अर्थ है :

(क) शक्ति हीन (ख) जिसमें पुरूषार्थ न हो

(ग) जिसे पुरुष जीत सकता है (घ) जिसे मनुष्य ने नहीं बनाया

(3) गद्यांश में आस्तिक का विपरीतार्थी शब्द प्रयुक्त हुआ है

(क) वैशेषिक (ख) निरीश्वरवादी

(ग) नास्तिक (घ) वेदांती

(4) किस व्यवस्था में ईश्वर का कोई स्थान नहीं है ?

(क) पूँजीपति व्यवस्था (ख) वामपंथी व्यवस्था

(ग) मीमांसा (घ) सांख्य

(5) कैसे लोगों को कण - कण में ईश्वर नज़र आता है ?

(क) जो विश्वास के आधार पर ईश्वर की खोज करते हैं ।

(ख) जो प्रमाण और तर्कों के आधार पर ईश्वर की खोज करते हैं ।

(ग) जो लोग वेदों में विश्वास रखते हैं ।

(घ) जो मनुष्य अपना मन शांत रखते हैं ।

2 'अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।' बिना विचारे कार्य करने वाला जीवन भर नौ - नौ आँसू रोया करता है । अत: कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व भली प्रकार से सोच - समझकर निर्णय लेना चाहिए । जिस प्रकार मुँह से निकली बात , कमान से छूटा तीर वापिस नहीं आते , उसी प्रकार बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता । अत: उचित समय पर उचित निर्णय करना ही मानव का परम कर्त्तव्य है । विचारपूर्वक आगे बढ़ना ही सफलता का मूल मंत्र है । गलती करके पश्चाताप करना तो एक गलती के ऊपर दूसरी गलती करना है जो बात हो चुकी उस पर चिंता करना , खेद करना , पश्चाताप करना व्यर्थ है । क्योंकि इससे लाभ है ही नहीं । यदि पृथ्वीराज मोहम्मद गौरी के विषैले दाँतों को पहली बार हराते ही तोड़ देता , तो भारत का इतिहास कुछ और ही होता । कैकेयी के अविवेकपूर्ण निर्णय से न केवल उसे वैधव्य ही झेलना पड़ा , बल्कि वह सामाजिक निंदा का शिकार भी बनी । उसने पश्चाताप -स्वरूप राम को वापस लाने का प्रयास किया किंतु सब व्यर्थ । रावण जैसे पराक्रमी शिवभक्त राजा ने अविवेक के कारण सीताहरण कर लिया और उसकी यही भूल उसके लिए ही नहीं , बल्कि उसके समस्त परिवार के लिए विनाश का कारण बनी । निष्कर्ष - स्वरूप कहा जा सकता है कि बिना सोचे व विचार किए कार्य नहीं करना चाहिए क्योंकि उसका परिणाम अमंगलकारी होता है । 5

(1) 'अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत' लोकोक्ति का अर्थ है -

(क) जब चिड़िया ने सारा खेत खा लिया तब भागने का क्या लाभ

(ख) अगर समय रहते चिड़िया को भगा दिया होता तो वह खेत नहीं चुगती

(ग) अब पछताना व्यर्थ है क्योंकि चिड़िया तो अपना काम कर गई

(घ) अवसर निकलने पर पछताने का कोई फायदा नहीं

(2) कैकेयी के अविवेकपूर्ण निर्णय का परिणाम निकला -

(क) वैधव्य और सामाजिक निंदा का शिकार बनी

(ख) उसे राजमाता की पदवी नहीं मिल पाई

(ग) श्री राम को वन जाना पड़ा

(घ) राजा दशरथ की मृत्यु हो गई

(3) गलती करके पश्चाताप करना ..... समान है

(क) नौ-नौ आँसू रोने के

(ख) एक गलती के बाद दूसरी गलती करने के

(ग) कमान से टूटे तीर के

(घ) गलती करने पर भी खुश होने के

(4) 'वैधव्य' शब्द बना है -

(क) विधुर से (ख) विधवा से

(ग) वैध से (घ) धब्बे से

(5) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है -

(क) समय का महत्त्व (ख) अविवेकपूर्ण निर्णय

(ग) बीता समय वापस नहीं आता (घ) उचित निर्णय का महत्त्व

3 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए —** 5

सच हम नहीं, सच तुम नहीं सच है महज़ संघर्ष ही।

संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।

जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झड़कर कुसुम।

जो लक्ष्य भूल रुका नहीं

जो हार देख झुका नहीं

जिसने प्रणय पाथेय माना, जीत उसकी ही रही।

सच हम नहीं, सच तुम नहीं सच है महज़ संघर्ष ही।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।

जो है जहाँ चुपचाप अपने-आप से लड़ता रहे।

जो भी परिस्थितियाँ मिले

काँटे चुभें कलियाँ खिलें

हारे नहीं इंसान, है जीवन का संदेश यही।

सच हम नहीं, सच तुम नहीं सच है महज़ संघर्ष ही।

संसार सारा आदमी की चाल देख हुआ चकित।

पर झाँककर देखो दृगों में, हैं सभी प्यासे थकित।

जबतक बँधी है, चेतना

जब तक हृदय दुख से घना

तब तक न मानूँगा कभी इस राह को ही मैं सही !

सच हम नहीं, सच तुम नहीं सच है महज़ संघर्ष ही।

अपने हृदय का सत्य अपने-आप हम को खोजना।

अपने नयन का नीर अपने-आप हमको पोंछना।

आकाश सुख देगा नहीं

धरती पसीजी है कहीं ?

जिसके हृदय को बल मिले, है ध्येय अपना तो वही।

सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही।

(i) कवि की दृष्टि में जीवन का असली सत्य है —

(क) अपने को श्रेष्ठ बनाने में

(ख) सबके साथ प्रेम का व्यवहार करने में

(ग) संघर्ष करते हुए जीने में

(घ) अपने लक्ष्य पर नज़र रखने में

(ii) जीवन का संदेश इस बात में है कि मनुष्य —

(क) अपने प्रणय को पाथेय माने

(ख) जड़वत न हो जाए

(ग) अपने-आप से लड़ता रहे

(घ) रुकावटों से हार न माने

(iii) 'आदमी की चाल' से कवि का तात्पर्य है —

(क) मनुष्य के चलने-फिरने से

(ख) उसके द्वारा की गई तरक्की से

(ग) उसकी चालबाजियों से

(घ) उसके चाल-चलन से

(iv) कवि की दृष्टि में 'हृदय को बल' किस बात से मिलेगा ?

(क) दूसरे लोग हमारी मदद करें

(ख) हम अपने कष्टों का निवारण स्वयं करें

(ग) हमारे जीवन में कलियाँ ही खिलती रहे

(घ) हमारा जोवन सुखों से भर जाए

(v) इस कविता का मुख्य संदेश है कि मनुष्य —

(क) स्वयं को सच न माने

(ख) अपने लक्ष्य को कभी न छोड़े

(ग) उन्नति और तरक्की के मार्ग पर चलता रहे

(घ) निरंतर संघर्ष करता रहे

4 लक्ष्य तक पहुँचे बिना, पथ में पथिक विश्राम कैसा। 5
लक्ष्य है अति दूर दुर्गम मार्ग भी हम जानते हैं,
किंतु पथ के कंटकों को हम सुमन ही मानते हैं।

जब प्रगति का नाम जीवन, यह अकाल विराम कैसा।
धनुष से जो छूटता है बाण कब मग में ठहरता
देखते ही देखते वह लक्ष्य का ही बेध करता
लक्ष्य प्रेरित बाण हैं हम, ठहरने का काम कैसा।
बस वही है पथिक जो पथ पर निरंतर अग्रसर हो,
हो सदा गतिशील जिसका लक्ष्य प्रतिक्षण निकटतर हो।

(1) इस काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए :

(क) लक्ष्य साधना। (ख) चलते चलो।

(ग) पथिक विश्राम कैसा। (घ) मत ठहर तू।

(2) 'किंतु पथ के कंटकों को हम सुमन ही मानते हैं' इस पंक्ति का आशय है :

(क) हम मार्ग की बाधाओं से प्रसन्न होते हैं।

(ख) हम बाधाओं को दूर कर देंगे।

(ग) बाधाओं को हम स्वीकार करते चलते हैं।

(घ) हम बाधाओं को परवाह नहीं करते।

(3) 'लक्ष्य प्रेरित बाण हैं हम।' का आशय है :

(क) हम मार्ग की बाधाओं से प्रसन्न हैं

(ख) हम बधाओं को दूर करेंगे।

(ग) हम लक्ष्य की ओर बढ़ते जा रहे हैं।

(घ) हम हर हाल में विजयी होंगे।

(4) निमिष का अर्थ है :

(क) पल-भर। (ख) एक जंगल।

(ग) रात्रि। (घ) कालिमा।

(5) कंटक किसका प्रतीक है?

(क) विघ्न बाधाओं का। (ख) चुभन और दर्द का।

(ग) सुख-दुख का। (घ) लालच-लोभ का।

खंड: ख (व्यवहारिक व्याकरण)

5 (क) 'शब्द' और 'पद' के अंतर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 4

(ख) 'भाषण में रोचकता बनी रहनी चाहिए।' वाक्य में से एक संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए।

(ग) 'अपने कमरे की खिड़की से ईशान काम करती हुई महिला को देख रहा है।' रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।

(घ) 'कविता आया से खाना बनवा रही है।' रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।

6 (क) रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए : 4

(i) हम कल पिकनिक जाएँगे।

(ii) मैं आपकी बात ध्यानपूर्वक सुन रहा था।

(iii) विनय शांत लड़का है।

(ख) 'बच्चे का खिलौना टूट गया और वह रोने लगा।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए।

7 (क) चोर घर में घुसा और पकड़ा गया। 4

(मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) जादूगर के जादू दिखाते ही लड़की गायब हो गई।

(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए-

गणेश, प्रत्युपकार

8 (क) महा+ऋषि की संधि कीजिए। 4

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
जलधारा, दहीबड़ा, चंन्द्रवदन

(ग) 'नीला है जो अंबर' का समस्त पद बनाकर समास का भेद लिखिए।

9 (क) निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्ति से वाक्य बनाइए- 4

(i) बाट जोहना

(ii) घर से बेघर करना

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरों अथवा लोकोक्तियों से कीजिए-

(i) कक्षा में प्रथम आने पर मेरी _____ न रहा।

(ii) स्वामी जी की बातें सुनकर उसने _____ खो दी।

खंड: ग (पाठ्य-पुस्तक)

10(i) **निम्नलिखितकाव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए -** 5

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,

पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।

मेखलाकार पर्वत अपार

अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,

अवलोक रहा है बार-बार

नीचे जल में निज महाकार,

जिसके चरणों में पला ताल

दर्पण-सा फैला है विशाल।

(i) प्रकृति-वेश के पल-पल बदलने का कारण है ?

(क) सूर्योदय (ख) सूर्यास्त (ग) वर्षा (घ) इंद्रजाल

(ii) पर्वत के चरणों में फैले ताल की तुलना की गई है —

(क) काँच से (ख) मोती से (ग) दर्पण से (घ) सरोवर से

(iii) कवि ने पर्वत की आँखें किसे कहा है —

(क) ताल को (ख) झरनों को

(ग) खिले हुए फूलों को (घ) वर्षा की बूंदों को

(iv) विशाल पर्वत की आकृति कैसी है —

(क) दर्पण-सी (ख) डरावनी

(ग) प्रकृति के समान (घ) करधनी के समान

(v) अपना प्रतिबिंब देखते हुए पर्वत की आँखें फटी रह जाती हैं, क्योंकि —

(क) वर्षा थमने का नाम नहीं ले रही। (ख) तालाब दर्पण-सा साफ है।

(ग) प्रकृति वेश पल-पल बदल रहा है। (घ) वह अपने महाकार को देखकर चकित है।

अथवा

10(ii) **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए -** 5

विरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ।

राम वियोगी न जिवै, जिवै तो बौरा होइ।।

(1) 'भुवंगम' का शाब्दिक अर्थ है ?

(क) वियोग (ख) भुवन (ग) साँप (घ) भवन

(2) 'मंत्र न लागै कोई' का आशय है ?

(क) जादू-टोना काम नहीं आता है (ख) सभी उपाय काम आते है

(ग) कोई उपाय काम नहीं आता (घ) मंत्र के अलावा कुछ काम नहीं आता

(3) राम वियोगी की दशा कैसी होती है :

(क) अधिक बोलता है (ख) चुप रहता है

(ग) खुश रहता है (घ) पागल हो जाता है

(4) कवि ने किससे विरह की बात कही है ?

(क) परिवार से (ख) प्रेमिका से (ग) ईश्वर से (घ) समाज से

(5) 'विरह भुवंगम' में अलंकार है ?

(क) रूपक (ख) उपमा (ग) यमक (घ) अनुप्रास

निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

11(i) 26 जनवरी 1931 के दिन मोनुमेंट के नीचे झंडा फहराते हुए संघर्ष का आँखों देखा हाल लिखिए। 3

11(ii) एक निर्माता के रूप में बड़े व्यवसायिक सूझबूझ वाले व्यक्ति भी चक्कर खा जाते हैं, 3

फिर भी शैलेंन्द्र ने फिल्म क्यों बनाई ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

11(iii) वामीरो से मिलने के बाद ततॉंरा के जीवन में क्या सुखद परिवर्तन आया, कैसे ? स्पष्ट कीजिए ? 3

12(i) छोटे भाई के मन में बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा के भाव क्यों उत्पन्न हुए ? 5

अथवा

12(ii) 26 जनवरी 1931 के दिन को निराला क्यों कहा गया है ? 5

13(i) **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** 5

बड़े बाज़ार के प्राय: सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था और कई मकान तो ऐसे सजाए गए थे कि ऐसा मालूम होता था कि मानो स्वतंत्रता मिल गई हो। कलकत्ते के प्रत्येक भाग में ही झंडे लगाए गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे उसी रास्ते मं उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों का कहना था कि ऐसी सजावट पहले नहीं हुई। पुलिस भी अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। कितनी ही लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। घुड़सवारों का प्रबंध था। कहीं भी ट्रैफ़िक

पुलिस नहीं थी, सारी पुलिस को इसी काम में लगाया गया था। बड़े-बड़े पार्कों तथा मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था।

(1) गद्यांश में किस अवसर का वर्णन किया गया है ?

(2) लोगों का इस सजावट के बारे में क्या विचार था ?

(3) पुलिस ने पार्कों तथा मैदानों को सुबह से ही क्यों घेर लिया था ?

अथवा

13(ii) **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तरदीजिए -** 5

उनका दृढ़ मंतव्य था कि दर्शकों की रुचि की आड़ में हमें उथलेपन को नहीं थोपना चाहिए। कलाकार का यह कर्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रुचियों का परिष्कार करने का प्रयत्न करे, और उनका यकीन गलत नहीं था। यही नहीं, वे बहुत अच्छे गीत भी जो उन्होंने लिखे बेहद लोकप्रिय हुए। शैलेन्द्र ने झूठे अभिजात्य को कभी नहीं अपनाया। उनके गीत भाव-प्रवण थे - दुरूह नहीं। 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंगलिस्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' - यह गीत शैलेंद्र ही लिख सकते थे। शांत नदी का प्रवाह और समुद्र की गहराई लिए हुए।

(क) दर्शकों की रूचि को कलाकार कैसे परिष्कृत कर सकते हैं ?

(ख) 'फ़िल्मों में उथलेपन' से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) शैलेन्द्र के गीतों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए ?

निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

14(i) 'तोप'कविता का मुख्य भाव स्पष्ट कीजिए। 3

14(ii) मीरा ने अपने हृदय की अधीरता को कैसे प्रकट किया है ? 3

14(iii) बादलों के उठने तथा वर्षा होने का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए। 3

14(iv) मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूँढ़ता है और वह कहाँ बसा है ? 3

निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

15(i) मृत्यु उपरांत हरिहर काका को अग्नि प्रदान करने के संबंध में क्या अफवाह फैली थी ? स्पष्ट कीजिए। 3

15(ii) हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे ? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया ? 3

15(iii) 'हरिहर काका' की कहानी हमारे आस-पास ही घूमती है ऐसी कोई घटना आपने देखी सुनी हो तो लिखिए। 3

16 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि धार्मिक काम काज के लिए गठित 'ठाकुरबारी' जैसे संस्थाएं भी कुटिल चालें चलकर समाज का अहित करती है? 4

खंड: घ (लेखन)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

17(i) **प्रकाश का त्योहार-दीपावली :** 5

- दीपावली कब आती है
- पौराणिक महत्त्व
- कैसे मनाते हैं

अथवा

17(ii) **दूरदर्शन** 5

- दूरदर्शन का ज्ञान-विज्ञान में योगदान
- गाँव-गाँव में प्रसार
- सीमाएँ

अथवा

17(iii) **समुद्र तट की यात्रा :** 5

- यात्रा का कार्यक्रम बनाना
- समुद्र तट का सौंदर्य
- खान-पान का आनंद लेना

18(i) कक्षा नौवीं व दसवीं के छात्रों के लिए सी.सी.ई पर आधारित एक कार्यशाला विद्यालय में आयोजित करने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

18(ii) पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में पेड़ लगाने का अनुरोध करते हुए प्राधानाचार्य को एक पत्र लिखिए। 5